15 अक्टूबर 2020

विशेष रिपोर्ट

तिलहन

अक्टूबर 2020

smc
Moneywise. Be wise.

एनसीडीईएक्स में सोयाबीन वायदा का फॉरवर्ड वक्र(रू/क्विं.)

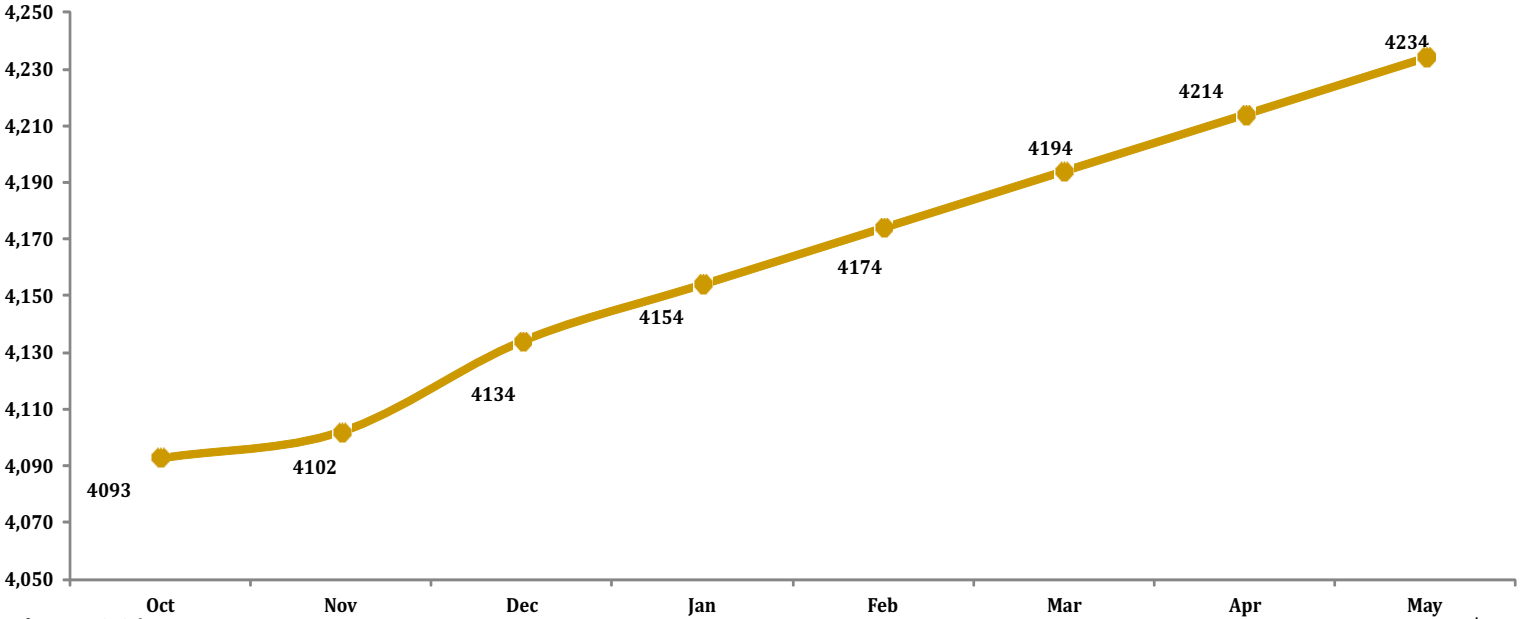

स्रोतः एनसीडीईएक्स

09 अक्टूबर 2020 का बंद भाव

फंडामेंटल

- **सोयाबीन वायदा (नवंबर) की कीमतों के तेजी के रूझान के साथ 3900-4300 के दायरे में कारोबार करने की उम्मीद है। मौजूदा कटाई के मौसम के बावजूद, दो कारकों के कारण कीमतों में उतार-चढ़ाव दिखाई दे रहा है। सबसे पहले इस खरीफ सीजन के दौरान फसल के नुकसान की खबर से उत्पादन का अनुमान कम होना और दूसरा सीबीओटी पर अमेरिकी सोयाबीन की कीमतों में जोरदार तेजी ।**
- सोयाबीन प्रोसेसर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया के अनुसार, मध्य प्रदेश और राजस्थान में सोयाबीन की फसल पीले मोजेक वायरस, स्टेम फ्लाई, एन्थ्रेक्नोज और अन्य कीटों/बीमारी के कारण बुरी तरह से प्रभावित हुई, जिसके परिणामस्वरूप उपज कम और बीज का आकार छोटा हो गया है। फसल की कटाई के समय नियमित बारिश के कारण बीज खराब हो गए। महाराष्ट्र और अन्य राज्यों में सोयाबीन की फसल सामान्य है। मध्य प्रदेश में खंडवा, खरगोन, बड़वानी, धार, रतलाम और मंदसौर में सोयाबीन का उत्पादन बेहतर है।
- सोयाबीन प्रोसेसर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया के अनुसार, वर्ष 2020 में सोयाबीन के तहत कुल क्षेत्रफल 118.383 लाख हेक्टेयर है, जो पिछले साल की तुलना में लगभग 10% अधिक है। सरकार द्वारा अनुमानित आधिकारिक क्षेत्र 121.427 लाख हेक्टेयर है। वर्ष 2020 में देश में सोयाबीन का उत्पादन अनुमान 104.552 लाख टन है, जो पिछले वर्ष के 93 लाख टन के उत्पादन की तुलना में 12.346% अधिक है।
- 2020-21 में सोयाबीन की पैदावार 883 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर होने का अनुमान है, जबकि पिछले साल 865 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर था। सोपा ने पहले पैदावार का अनुमान 1,052 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर लगाया था।
- वर्ष 2020 में मध्य प्रदेश में सोयाबीन का कुल उत्पादन क्षेत्र 58.540 लाख हेक्टेयर है, जो पिछले साल की तुलना में लगभग 12.68% अधिक है। वर्ष 2020 में मध्य प्रदेश में कुल 41. 772 लाख टन सोयाबीन उत्पादन का अनुमान है, जो पिछले वर्ष के उत्पादन 40.107 लाख टन उत्पादन की तुलना में 4.15% अधिक है ।
- सोपा के अनुसार, महाराष्ट्र में वर्ष 2020 में सोयाबीन का कुल रकबा 40.397 लाख हेक्टेयर है, जो पिछले साल के 37.363 लाख हेक्टेयर के मुकाबले 8.12% अधिक है। वर्ष 2020 में महाराष्ट्र में कुल 45.444 लाख टन सोयाबीन उत्पादन का अनुमान है, जो पिछले साल के 39.416 लाख टन के उत्पादन की तुलना में 15.29% अधिक है।
- राजस्थान में वर्ष 2020 में सोयाबीन का कुल उत्पादन क्षेत्र 11.002 लाख हेक्टेयर है, जो पिछले वर्ष की तुलना में लगभग 14.28% अधिक है। राजस्थान में वर्ष 2020 में कुल 8.583 लाख टन सोयाबीन उत्पादन का अनुमान है, जो पिछले वर्ष के 6.560 लाख टन के उत्पादन की तुलना में 30.84% अधिक है।

सीबोट में अमेरिकी सोयाबीन वायदा का फॉरवर्ड वक्र(सेंट/बुशल)

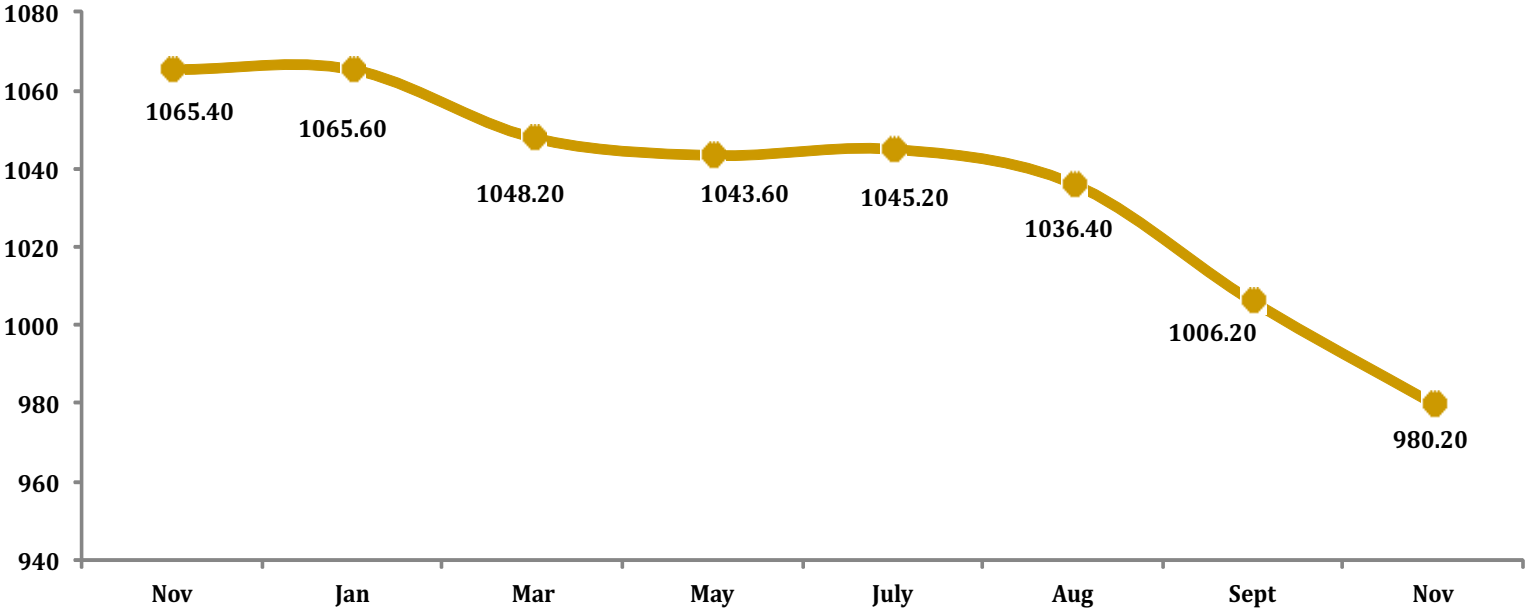

स्रोतः बारचार्ट

09 अक्टूबर 2020 का बंद भाव

फंडामेंटल

- **सीबोट में सोयाबीन वायदा दो साल से अधिक के उच्च स्तर पर कारोबार कर रहा है क्योंकि अमेरिकी सरकार द्वारा कम सप्लाई के अनुमान से कीमतों को मदद मिल रही है। अमेरिकी कृषि विभाग की मासिक विश्व कृषि आपूर्ति और मांग अनुमान रिपोर्ट के अनुसार, बढ़ते निर्यात के कारण सोयाबीन का स्टॉक पांच साल के निचले स्तर पर पहुंच गया है।**
- 2020/21 में अमेरिकी तिलहन उत्पादन 126.6 मिलियन टन होने का अनुमान है, जो सोयाबीन, मूंगफली और कपासबीज के कम उत्पादन के कारण पिछले महीने से 1.1 मिलियन टन कम होने का अनुमान है, जिसकी आंशिक भरपायी कैनोला और सूरजमुखी के अधिक उत्पादन से हुई है।
- अमेरिकी सोयाबीन का उत्पादन 4.3 बिलियन बुशल होने का अनुमान है जो कम उत्पादन क्षेत्र के कारण 45 मिलियन बुशल कम है। उत्पादन क्षेत्र 0.7 मिलियन एकड़ कम होकर 82.3 मिलियन एकड़ रह गया है।
- सोयाबीन की उत्पादकता प्रति एकड़ 51.9 बुशल रहने का अनुमान है जो सितम्बर के अनुमान के लगभग बराबर है। 2020/21 में सोयाबीन की आपूर्ति 4.8 बिलियन बुशल रहने का अनुमान है जो कम उत्पादन और शुरुआती कम स्टॉक के कारण 96 मिलियन बुशल कम है।
- कम आपूर्ति के बावजूद, शुरुआती सीजन में रिकॉर्ड बिक्री के कारण सोयाबीन का निर्यात 75 मिलियन बुशल हो गया है। कम आपूर्ति और निर्यात में वृद्धि के कारण अंतिम स्टॉक 290 मिलियन बुशल रहने का अनुमान है, जो पिछले महीने से 170 मिलियन कम है।
- 2020/21 में अमेरिकी सोयाबीन की औसत कीमत 9.80 डॉलर प्रति बुशल रहने का अनुमान है जो कम आपूर्ति और निर्यात में वृद्धि के कारण 55 सेंट अधिक है । सोयामील की कीमत 20.00 डॉलर बढ़कर 335.00 डॉलर प्रति टन रहने का अनुमान है। सोयाबीन तेल की कीमत 0.5 सेंट बढ़कर 32.5 सेंट प्रति पाउंड रहने का अनुमान है।
- संयुक्त राज्य अमेरिका में मौसम संबंधी मुद्दों और सोयाबीन के उत्पादन में संबंधित कमी के अनुमान के कारण 2019/20 के कैरीओवर स्टॉक और अंतिम स्टॉक को कम कर दिया गया है। इससे 2021 में वैश्विक आपूर्ति में में कमी आने की संभावना बढ़ जाती है, खासकर यदि वर्तमान ला नीना मौसम पैटर्न के कारण दक्षिण अमेरिका में सूखा मौसम रहता है।
- अक्टूबर को समाप्त सप्ताह में, यू.एस. कमोडिटी फ्यूचर्स ट्रेडिंग कमीशन के आंकड़ों के अनुसार, मनी मैनेजर्स ने सीबोट सोयाबीन वायदा में अपने कुल लॉन्ग पोजिशन को पिछले हफ्ते 9,351 कॉन्ट्रैक्ट्स बढ़ाकर 238,394 कॉन्ट्रैक्ट्स कर दिया है।
- चीन की अधिक मांग और रिकॉर्ड कम विनिमय दर के कारण 2020 की निर्यात गति अधिक हो गई है, निर्यात योग्य आपूर्ति कम हो गई है और 2003 के बाद से ब्राजील के आयात के उच्चतम स्तर पर पहुंच जाने का अनुमान है।
- नतीजतन, चीन के खरीदारों ने हाल के महीनों में अमेरिकी सोयाबीन हासिल करने के लिए आक्रामक रुख अपनाया है। सितंबर के मध्य में चीन को कुल बिक्री लगभग 17.0 मिलियन टन रही, जो 2013 में दर्ज रिकॉर्ड के बराबर थी।

एनसीडीईएक्स में सरसों वायदा का फॉरवर्ड वक्र(रू/क्विं.)

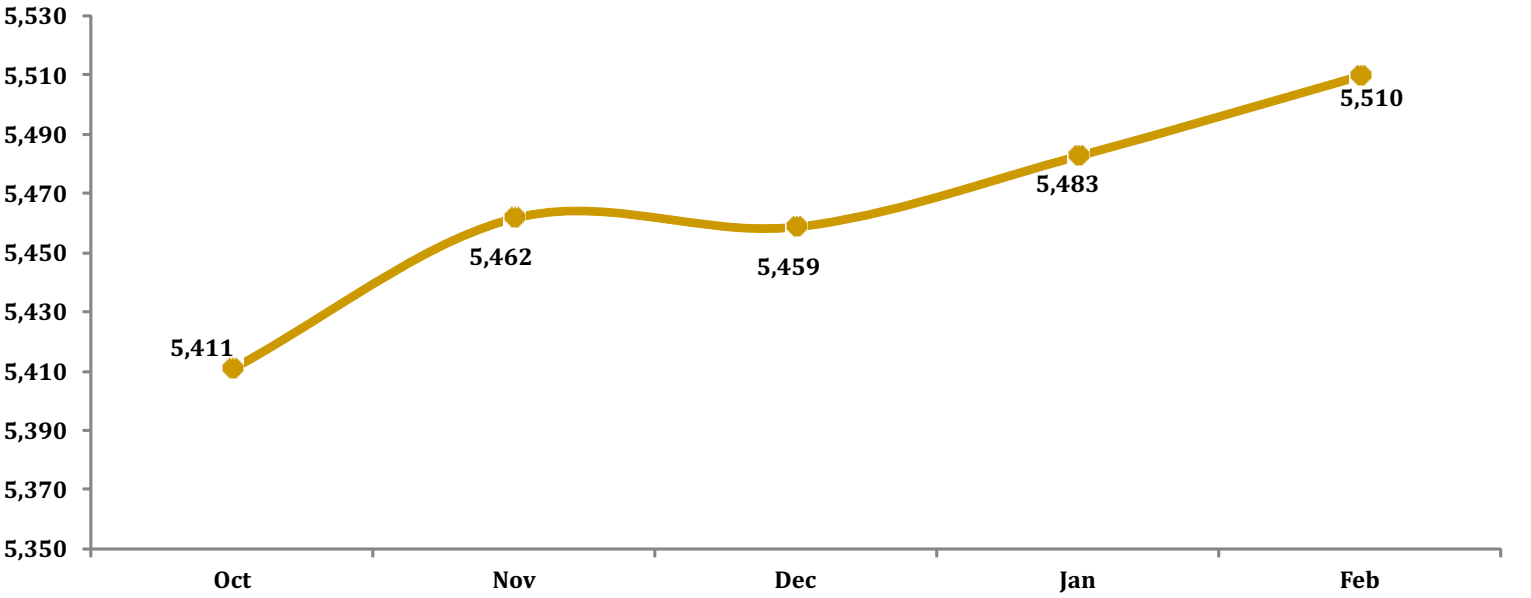

स्रोत: एनसीडीईएक्स

09 अक्टूबर 2020 का बंद भाव

फंडामेंटल

- **सरसों वायदा (नवम्बर)की कीमतों के एक दायरे में कारोबार करने की संभावना है जबकि मुनाफा वसूली के कारण 5560-5600 के पास रेजिस्अेंस के साथ 5300-5200 रू तक गिरावट हो सकती है। वर्तमान परिदृश्य में, पेराई मार्जिन नकारात्मक है और उच्च कीमतों के कारण मिलों की ओर से मांग कम हो गई है और अगले रबी सीजन के लिए एमएसपी में वृद्धि के कारण भी अधिक उत्पादन की संभावनाएं हैं।**
- भारत में मुख्य रूप से उत्पादन क्षेत्र में तेज वृद्धि के कारण 2020-21 में रिकॉर्ड 10 मिलियन टन सरसों उत्पादन की संभावना है। सरकार ने इस रबी सीजन में 12.5 मिलियन टन के रिकॉर्ड उत्पादन का लक्ष्य रखा है।
- 2020-21 (जुलाई-जून) रबी की बुआई के लिए सरकार के पास अच्छी गुणवत्ता के पर्याप्त सरसों के बीज हैं। इसमें 25,100 टन की आवश्यकता के विरुद्ध कुल 26,700 टन प्रमाणित बीजों का भंडार है।
- भारत में मिलों द्वारा सरसों के बीजों की पेराई सितंबर में वर्ष-दर-वर्ष 18.2% बढ़कर 650,000 टन हो गई। लॉकडाउन में कमी के बाद सरसों तेल, जिसे प्रतिरक्षा बूस्टर के रूप में देखा जाता है, की बढ़ती मांग के कारण पेराई में तेजी से बढ़ोतरी हुई है। लेकिन, अगर हम माह-दर-माह पेराई के लिए मांग पर नजर डालें तो कम आवक, ऊंची कीमतों और नकारात्मक पेराई मार्जिन के कारण पेराई की मांग कम हो गई है।

2019-20 में पेराई का अनुमान	पेराई (लाख टन में)
01 मार्च 20 से 31 मार्च 20 तक	7.50
01 अप्रैल 20 से 30 अप्रैल 20 तक	6.50
01 मई 20 से 31 मई 20 तक	8.00
01 जून 20 से 30 जून 20 तक	8.00
01 जुलाई से 31 जुलाई 20 तक	8.00
01 अगस्त से 31 अगस्त 20 तक	8.00
01 सितम्बर 20 से 30 सितम्बर 20 तक	6.50

स्टॉकिस्टों, किसानों और प्रोसेसरों के पास अंतिम स्टॉक

किसानों के पास अंतिम स्टॉक (लाख टन में)	
शुरूआती स्टॉक (1 मार्च 2020)	68.45
30 सितम्बर 2020 तक आवक	-56.15
किसानों के पास स्टॉक	**12.30**

स्टॉकिस्टों और प्रोसेसरों के पास अंतिम स्टॉक (लाख टन में)	
शुरूआती स्टॉक (1 मार्च 2020)	5.55
30 सितम्बर 2020 तक आवक	56.15
30 सितम्बर 2020 तक पेराई	-52.50
स्टॉकिस्टों और प्रोसेसरों के पास स्टॉक	**9.20**

स्टॉक संक्षेप में 2019-20 (लाख टन में)	
किसानों के पास स्टॉक	12.30
सरकार के पास स्टॉक(नॉफेड)	3.50
सरकार के पास स्टॉक(हॉफेड)	1.40
स्टॉकिस्टों और प्रोसेसरों के पास स्टॉक	4.30
कुल	**21.50**

Crush Margin

Ex Jaipur	Market Price (Rs/quintal)	Recovery %	Rs./quintal
A. Cost of Seed (after cash discount of 1%)			5,544
B. Benefit of Lab & Weight tolerance (1%)			56
C. Market price of DOC	1,730	59	1,021
D. Market Price of Kachi Ghani Oil	11,120	40	4,448
E. Total Recovery			5,469
F. Gross Margin (E-(A-B))			-19
G. Processing Cost			150
H. Crush Margin (F-G)			-169

smc Moneywise. Be wise.

फंडामेंटल

- सोया तेल वायदा (नवंबर) की कीमतों में बढोतरी होने की अधिक संभावना है और 960-980 के स्तर पर पहुंचने की क्षमता है, जबकि सीपीओ वायदा (अक्टूबर) की कीमतें 850 रू तक बढत्त दर्ज कर सकती है।
- भारत में वर्ष 2019-20 के दौरान खाद्य तेल के आयात में लगभग 1.5 मिलियन टन की गिरावट की संभावना है। (खाद्य तेल वर्ष नवंबर से अक्टूबर तक होता है।) देश में 2019-20 के दौरान लगभग 13.5 मिलियन टन आयात करने का अनुमान है, जबकि पिछले वर्ष में यह 14.9 मिलियन टन हुआ था।
- नवंबर और दिसंबर में आयात में गिरावट हो सकती है क्योंकि मानसून सीजन के दौरान बोए गए तिलहन के अधिक उत्पादन के कारण आयात कम हो सकता है, जबकि रेस्तरां और होटलों में पॉम ऑयल का उपयोग अभी भी हो रहा है।
- भारत से मांग में बढ़ोतरी होने से भंडार की वृद्धि पर अंकुश लग सकता है, जो मलेशिया में भंडार बढ़ना शुरू हो गया हैं, जिससे कीमतों को मदद मिल सकती हैं ।
- अंतर्राष्ट्रीय बाजार में, फंड मैनुजरों ने सोयाबीन तेल वायदा में अपने शुद्ध लांग पोजिशन को कम कर दिया है।
- आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, सितंबर में मलेशिया के पाम ऑयल का भंडार एक महीने पहले की तुलना में 1.2% बढ़ा है।
- मलेशियाई पाम ऑयल बोर्ड के अनुसार इंडोनेशिया के बाद दुनिया का सबसे बड़े पॉम ऑयल उत्पादक, मलेशिया में पॉम ऑयल का भंडार सितंबर में 1.73 मिलियन टन था, जबकि अगस्त में 1.70 मिलियन टन था। सितम्बर में पॉम ऑयल का निर्यात अगस्त के 1.5 मिलियन टन से 1.9% बढ़कर 1.61 मिलियन टन हुआ है।
- इस बीच, पॉम ऑयल का उत्पादन अगस्त में 1.86 मिलियन टन से 0.3% बढ़कर सितम्बर 1.87 मिलियन टन हो गया है।

सीबोट में अमेरिकी सोया तेल वायदा का फॉरवर्ड वक्र (सेंट/पाउंड)

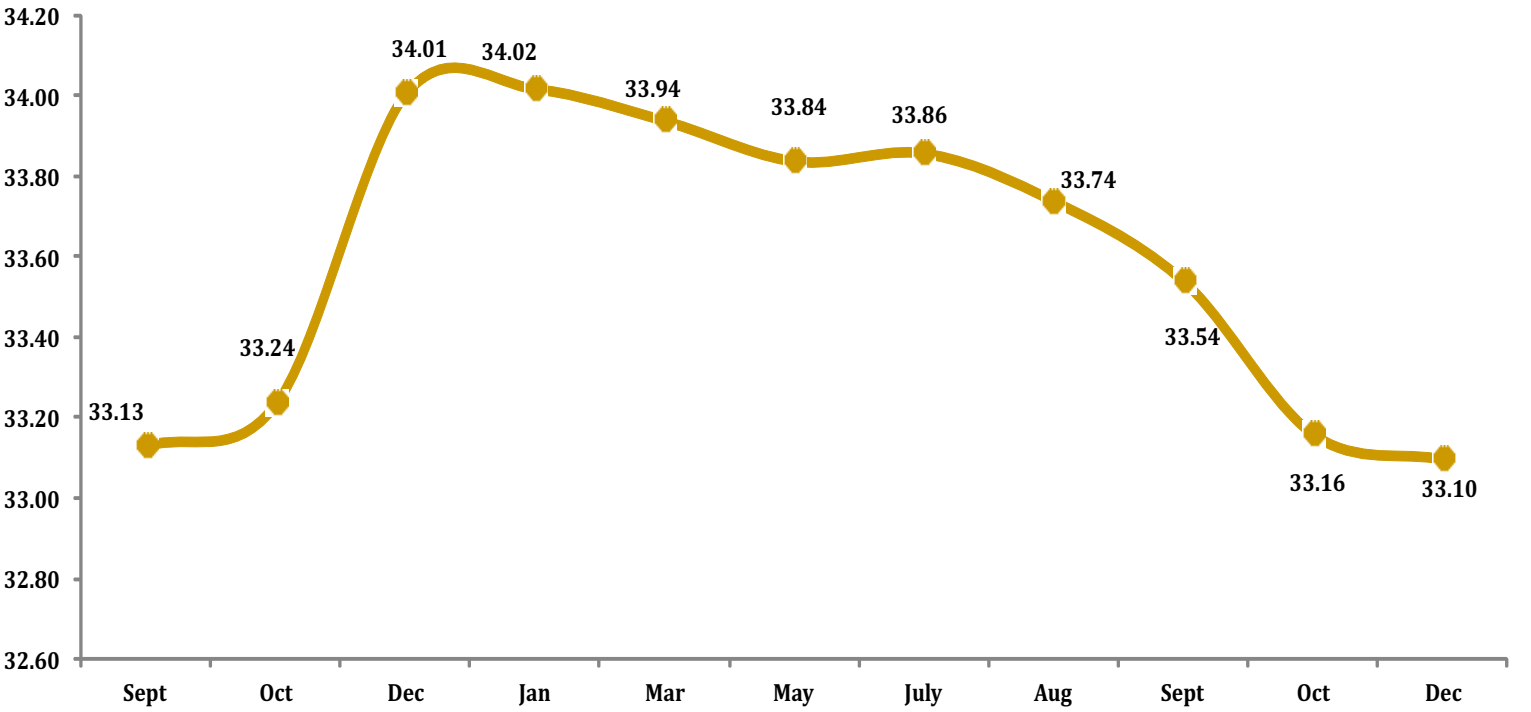

स्रोतः बारचार्ट

09 अक्टूबर 2020 का बंद भाव

एनसीडीईएक्स में रिफाइंड सोया तेल वायदा का फॉरवर्ड वक्र (10रू/10 किग्रा)

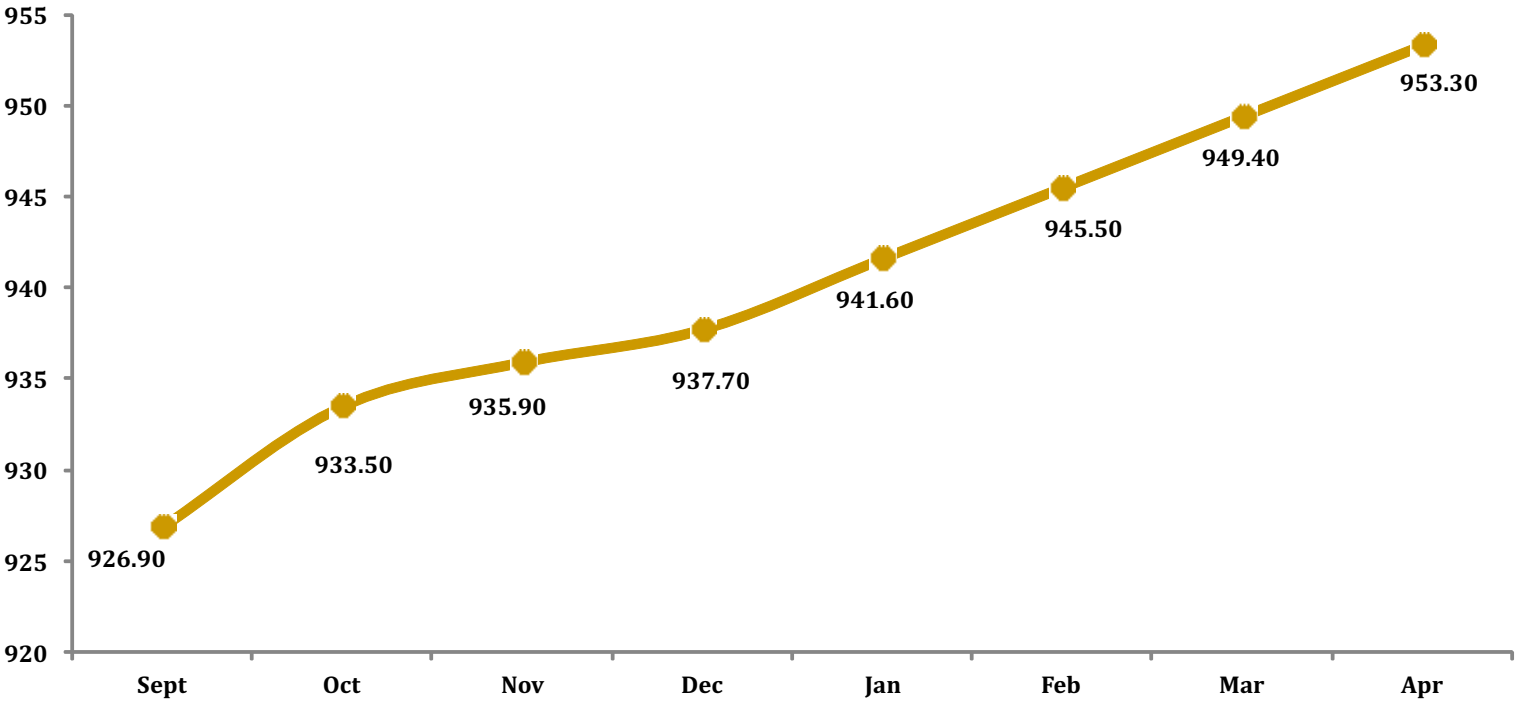

स्रोत: एनसीडीईएक्स

09 अक्टूबर 2020 का बंद भाव

एमसीएक्स में सीपीओ वायदा का फॉरवर्ड वक्र

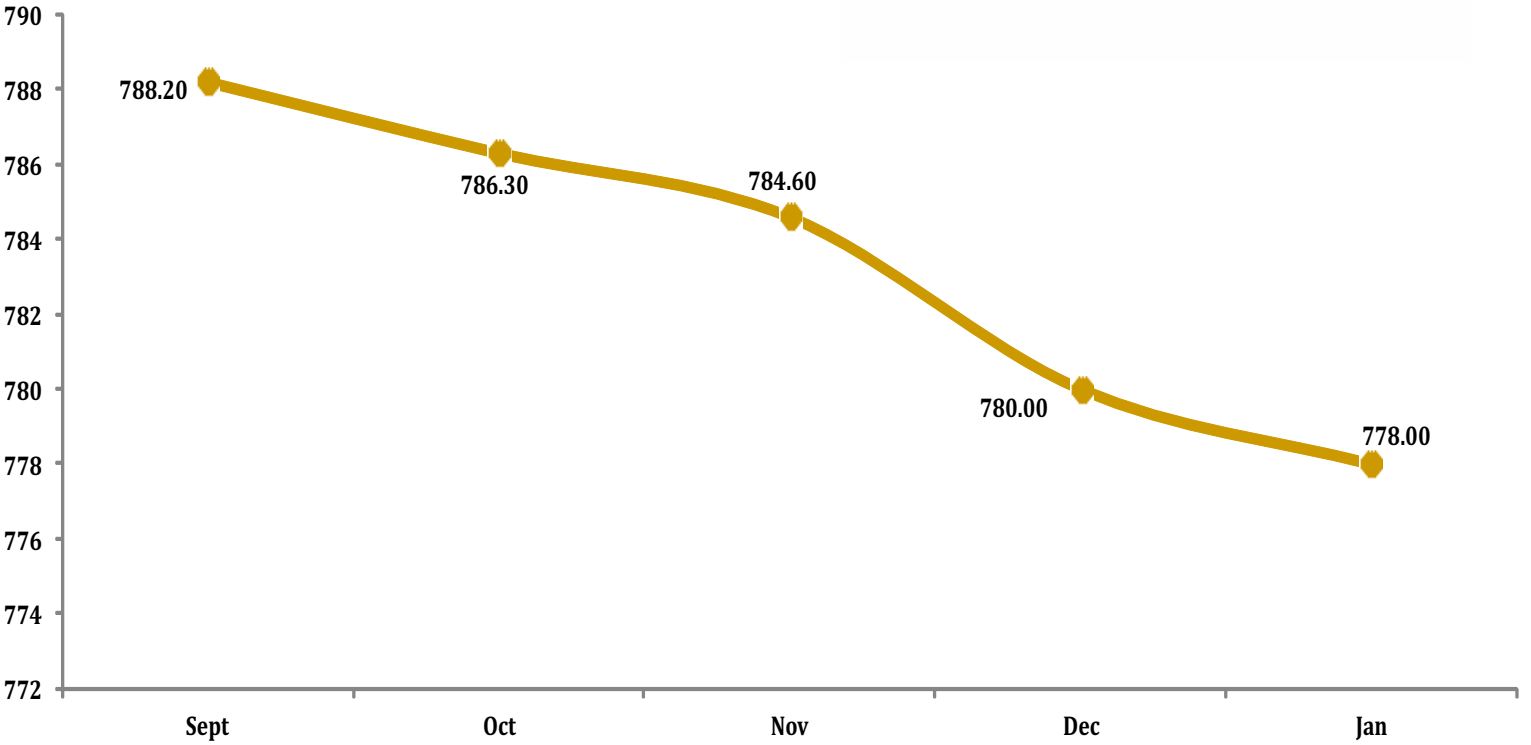

स्रोत: एमसीएक्स

09 अक्टूबर 2020 का बंद भाव

smc Moneywise. Be wise.

एसएमसी ग्लोबल सिक्योरिटीज लिमिटेड (जिसे एसएमसी कहा जाता है) का नियमन भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड द्वारा किया जाता है और इसे ब्रोकिंग व्यवसाय, डिपॉजिटरी सेवायें और संबंधित सेवायें करने का लाइसेंस प्राप्त है। एसएमसी ग्लोबल सिक्योरिटीज लिमिटेड नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड, बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड, एमएसईआई(मेट्रोपॉलिटन स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड) का रजिस्टर्ड सदस्य है और एम/एस एसएमसी कॉमट्रेड नेशनल कमोडिटी एवं डेरिवेटिव्स एक्सचेंज लिमिटेड और मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज ऑफ इंडिया और भारत के अन्य कमोडिटी एक्सचेंजों का रजिस्टर्ड सदस्य है। इसकी सहयोगी एमसीएक्स स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड की सदस्य हैं। एसएमसी सीडीएसएल(CDSL) और एनएसडीएल(NSDL)के साथ डिपॉजिटरी भागीदार के रूप में भी रजिस्टर्ड है। एसएमसी के अन्य एसोसिएट सेबी और भारतीय रिजर्व बैंक के साथ मर्चेंट बैंकर, पोर्टफोलियो मैनेजर के रूप में रजिस्टर्ड है। यह म्यूचुअल फंड डिस्ट्रीब्यूटर के रूप में एएमएफआई(AMFI) में भी रजिस्टर्ड है।

एसएमसी ग्लोबल सिक्योरिटीज लिमिटेड सेबी (रिसर्च एनॉलिस्ट)रेगुलेशन 2014 के तहत रिसर्च एनॉलिस्ट के लिए रजिस्ट्रेशन संख्या INH100001849 के साथ रजिस्टर्ड संस्था है। एसएमसी ग्लोबल सिक्योरिटीज लिमिटेड या इसके सहयोगियों को सेबी द्वारा अन्य किसी रेगुलेटरी एथॉरिटी द्वारा सिक्योरिटीज मार्केट/कमोडिटी मार्केट में कारोबार के लिए प्रतिबंधित/निलंबित नही किया गया है। रिपोर्ट में रिसर्च एनॉलिस्टों द्वारा व्यक्त की गई राय केवल सार्वजनिक रूप से प्राप्त सूचनाओं/इंटरनेट आंकड़ों/अन्य विश्वसनीय स्रोतों, जिन्हे सत्य माना जाना जाता है, पर आधारित है। एसएमसी रिपोर्ट में व्यक्त राय या सामग्री की शुद्धता को लेकर कोई आश्वासन नही देता है और निवेशकों को सलाह दी जाती है कि निवेश के लिए कोई भी निर्णय करने से पहले बाजार की परिस्थितियों/जोखिमों का स्वतंत्र रूप से मूल्यांकन करें। रिसर्च एनॉलिस्ट, जिन्होने इस रिपोर्ट को तैयार किया है, एतद् द्वारा प्रमाणित किया जाता है कि इस रिपोर्ट में विशेष कमोडिटी के संदर्भ में व्यक्त किया गया विचार/राय उनके निजी स्वतंत्र विचार/राय है।

डिसक्लेमर: यह रिसर्च रिपोर्ट अधिकृत प्राप्तकर्त्ता की व्यक्तिगत सूचना के लिए है और इसका निवेशक के किसी निवेश, विधिक एवं कर संबंधी परामर्श से संबंध नही हैं। यह केवल प्राइवेट सर्कुलेशन एवं उपयोग के लिए है। यह रिपोर्ट विश्वस्त सूचनाओं पर आधारित है लेकिन यह पूरी तरह सही और पूर्ण है, ऐसा जरूरी नही और इस पर पूरी तरह भरोसा नही किया जाना चाहिए। रिपोर्ट के कन्टेन्ट के आधार पर कोई कार्य नही किया जा सकता है। इस रिपोर्ट को एसएमसी से लिखित आज्ञा के बिना किसी भी रूप में नकल एवं किसी भी अन्य व्यक्ति को पुन: वितरण नही किया जाना चाहिए। इस सामग्री का कन्टेन्ट सामान्य है और यह न तो पूरी तरह से व्यापक है और न विस्तृत है। इस रिपोर्ट के आधार पर उठाये गये किसी कदम से होने वाली क्षति या नुकसान के लिए न तो एसएमसी और न इसका कोई संबंधी, सहायक, प्रतिनिधि, डॉयरेक्टर या कर्मचारी को उत्तरदायी ठहराया जाना चाहिए। यह कोई व्यक्तिगत अनुमोदन नही करता या किसी खास निवेश उद्देश्य, वितीय स्थिति या किसी व्यक्तिगत ग्राहक या कॉरपोरेट या सत्ता की जरूरतों को लेकर नही चलता है। सभी निवेश जोखिमपूर्ण होते है एवं पिछला प्रदर्शन भविष्य के किसी प्रदर्शन की गारन्टी नही देता है। निवेश की वैल्यू और उससे प्राप्त आमदनी एक निश्चित समय में उपलब्ध कुछ बड़े एवं सूक्ष्म कारकों के बदलाव पर निर्भर कर सकती है। निवेश का निर्णय लेते समय किसी भी व्यक्ति को अपने विवेक का इस्तेमाल करना चाहिए।

कृपया ध्यान रखें कि हम या हमारा कोई अधिकारी, सहायक, प्रतिनिधि, डॉयरेक्टर या कर्मचारी, जो भी इस रिपोर्ट को बनाने या भेजने में शामिल है उसकी (अ)समय-समय पर किसी भी कमोडिटीज में, जिनका इस रिपोर्ट में जिक्र किया गया है, खरीद या बिक्री, कोई भी पोजिशन हो सकती है और वह इस कमोडिटीज को खरीद या बिक्री कर सकता है या (ब) साथ ही साथ वह इन कमोडिटीज के किसी भी प्रकार के सौदों में और ब्रोकरेज या अन्य प्रकार के प्रतिकर में अथवा बाजार निर्माण में शामिल हो सकता है, (स) इस रिपोर्ट में दिए गये सुझावों और संबंधित सूचनाओं एवं विचारों के संदर्भ में इनका अपना कोई भी निहित स्वार्थ या विवाद हो सकता है। सभी विवादों का निपटारा अंतिम रूप से दिल्ली उच्च न्यायालय के न्यायाधीन होगा।